भारत सरकार
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
उच्चतर शिक्षा विभाग

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या : 1192
उत्तर देने की तारीख : 23 मार्च, 2012

दिल्ली विश्वविद्यालयों का रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन के साथ करार

1192. श्री ए॰ इलावरासनः

क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या दिल्ली विश्वविद्यालय ने वर्ष 2015 तक दिल्ली विश्वविद्यालय में उत्कृष्टता केन्द्र की स्थापना करने के लिए रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन के साथ करार किया है और अपने महाविद्यालयों में नवाचारी परियोजनाओं के निधियन के लिए प्रस्ताव आमंत्रित किए हैं;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या इसके पीछे विचार यह है कि पारस्परिक हित के मुख्य अनुसंधान क्षेत्रों की पहचान की जाए और तीन वर्षों के भीतर रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन की निधि के जरिए उत्कृष्टता केन्द्र की स्थापना की दिशा में कार्य किया जाए; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

मानव संसाधन विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री
(डा. डी. पुरंदेश्वरी)

(क) से (घ): दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, विश्वविद्यालय ने रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौता ज्ञापन के उद्देश्यों में से एक उद्देश्य आपसी हितों के मुख्य प्रौद्योगिकी अनुसंधान क्षेत्रों की पहचान आरंभ करना और डीआरडीओ से उपयुक्त निधियन के माध्यम से अधिमानतः तीन वर्षों की अवधि के अंदर विश्वविद्यालय में उत्कृष्टता के एक केन्द्र की स्थापना करना है। यद्यपि, नवाचारी परियोजनाओं के निधियन हेतु कॉलेजों से प्रस्ताव प्राप्त करना समझौता ज्ञापन का भाग नहीं है, फिर भी इस संबंध में विश्वविद्यालय ने अपने नए प्रारंभ किए गए समूह नवाचार केन्द्र के माध्यम से अपने कॉलेजों से प्रस्ताव आमंत्रित किए हैं। समझौता ज्ञापन में परिभाषित उद्देश्यों पर कार्य करने के लिए एक मानीटरिंग एवं मूल्यांकन समिति भी गठित की गई है।

*****